बाढ़ का प्रभाव होगा कम, तेजी से हो रहे काम

जल संसाधन मंत्री ने किया जिले में कई विभागीय योजनाओं का लोकार्पण, कार्यारंभ और निरीक्षण

- रामनगर में भुतही बलान बायां तटबंध पर जीएसबी कार्य का शुभारंभ करने के बाद जनसभा को किया संबोधित
- अगले सीजन में तटबंध का विस्तार करते हुए इसे एनएच-57 से जोड़ा जाएगा

फुलपरास, संस : जल संसाधन तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा ने कहा कि मिथिला में बाढ़ के प्रभाव को कम करना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शीर्ष प्राथमिकताओं में है। उन्होंने पिछले वर्षों में मिथिला के बाढ़ से प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया है। उन्होंने फुलपरास और घोघरडीहा प्रखंड में भुतही बलान नदी की बाढ़ से प्रभावित होने वाले गांवों का भी सर्वेक्षण किया था और इस इलाके को बाढ़ से सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर जल संसाधन विभाग मिथिला में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए तत्परता से काम कर रहा है। मंत्री शनिवार को रामनगर में भुतही बलान बायां तटबंध पर जीएसबी कार्य का शुभारंभ करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। घोषणा करते हुए कहा कि अगले सीजन में इस तटबंध का विस्तार करते हुए इसे एनएच-57 से जोड़ा जाएगा। उनके इस घोषणा पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जाहिर की। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बिहार के हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने का निश्चय किया है। उनके निर्देश पर मधुबनी जिले में दशकों से लंबित पश्चिमी कोसी नहर परियोजना का कार्य तेजी से पूरा कराया जा रहा है। इस कार्य से जिले के बड़े इलाके में कृषि का कायाकल्प होगा। जल संसाधन मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को इस तटबंध पर जीएसपी का कार्य एक महीने में पूरा कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि अभी आपलोग महाराष्ट्र का राजनीतिक संकट देख रहे हैं। यह संकट इसलिए है, क्योंकि वहां एक परिवार की पार्टी की सरकार है। महाराष्ट्र का संकट इस बात का संकेत है कि परिवार की पार्टी अब आगे चलने वाली नहीं है। दूसरी ओर हमारे बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने परिवार के किसी भी व्यक्ति को राजनीति में आगे नहीं बढ़ाया है। वे सेवा को अपना धर्म और पूरे बिहार को अपना परिवार मानते हैं। सभा को परिवहन मंत्री एवं स्थानीय विधायक शीला कुमारी मंडल, झंझारपुर के सांसद रामप्रीत मंडल, मधुबनी जिला जदयू अध्यक्ष सत्येंद्र कामत सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।

कटाव निरोधक कार्यों का जल संसाधन मंत्री ने किया लोकार्पण : भुतही बलान नदी पिछले वर्ष की बाढ़ अवधि में फुलपरास और खुटौना प्रखंड में बायां एवं दायां तटबंधों के कई स्थलों पर काफी आक्राम्य हो गई थी। जल संसाधन विभाग द्वारा तटबंध के संवेदनशील स्थलों चिह्नित कर भुतही बलान दायां तटबंध के किमी 8.00 से 8.10, किमी 8.20 से 8.275 और किमी 8.325 से 8.350 के बीच खरबरिया ग्राम के निकट, किमी 12.00 से 13.00 के बीच राजपुर ग्राम के निकट और किमी 17.00 से 17.20 के बीच महथौर ग्राम के निकट तथा बायां तटबंध के किमी 6.00 से 6.45 के बीच झझरी ग्राम के निकट, किमी 16.40 से 16.50 के बीच टेंगरार ग्राम के निकट और किमी 18.00 से 18.30 के बीच हनुमान नगर ग्राम के निकट कटाव निरोधक कार्य कराया गया है। मंत्री संजय कुमार झा ने शनिवार को हनुमान नगर जाकर इन कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से तटबंध सुरक्षित हो गए हैं।

भुतही बलान बायां तटबंध पर जीएसबी कार्य का शुभारंभ करते मंत्री संजय कुमार झा, साथ में परिवहन मंत्री शीला कुमारी मंडल व अन्य जदयू नेता व पदाधिकारी • जागरण

रामनगर में जनसभा को संबोधित करते जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा • जागरण

झंझारपुर को कमला नदी की बाढ़ से मिलेगी पूर्ण सुरक्षा

- जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने पिपराघाट में कटाव निरोधक कार्य और स्टील शीट पाइलिंग का लोकार्पण किया
- मंत्री ने पुरानी रेल पुल की भेंट सफाई और नदी के तल से गाद सफाई का मौके पर जाकर निरीक्षण किया

झंझारपुर, संस : जल संसाधन तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा ने शनिवार को कमला बलान और भुतही बलान नदी की बाढ़ से सुरक्षा के लिए विभाग द्वारा कराए गए कई कार्यों का लोकार्पण, कार्यारंभ व निरीक्षण किया। मंत्री ने पिपराघाट (झंझारपुर) में कटाव निरोधक और स्टील शीट पाइलिंग कार्य का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 के बाढ़ सीजन में कमला बलान नदी में अधिक जल प्रवाह से झंझारपुर के निकट कमला बलान बायां तटबंध के किमी 49 .50 (पिपराघाट) में अत्यधिक दबाव उत्पन्न हो गया था। इससे तटबंध की सुरक्षा प्रभावित होने की आशंका बन गई थी, जिसे विभागीय अभियंताओं ने काफी मशक्कत कर सुरक्षित कर लिया था। इस तटबंध की दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए जल संसाधन विभाग ने तकनीकी विशेषज्ञों की राय लेकर योजना बनाई और 716.74 लाख रुपये की लागत से नायलन क्रेट, जियोबैग, गैबियन के अतिरिक्त स्टील शीट पाईल जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग कर स्थल को पूर्ण सुरक्षित कर लिया गया है। इस योजना के क्रियान्वयन से झंझारपुर शहर और आसपास की बड़ी आबादी को बाढ़ से सुरक्षा मिलेगी।

पुराने रेल पुल की बढ़ेगी ऊंचाई : इसके साथ ही जल संसाधन विभाग द्वारा कमला बलान नदी के निम्न प्रवाह मार्ग के अवरोध को दूर कर तटबंध पर दबाव कम करने के उद्देश्य से झंझारपुर के पुराने रेल पुल के भेंट की सफाई और उसके अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम में नदी में जमे गाद की सफाई कराई गई है। जल संसाधन मंत्री ने इस कार्य का पुराने रेल पुल के पास जाकर स्थल निरीक्षण किया।